|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| 29. April | |  | |  |
| **Fest der heiligen Katharina von Siena,** | | | | |
| **Ordensfrau, Kirchenlehrerin, Schutzpatronin Europas** | | | | |
| Lesung:1 Joh 1,5-2,2; Evangelium: Mt 11,25-30 | | | | |
|  |  | |  | |
|  |  | |  | |
| Eröffnung: | GL 547 | | Du, Herr, hast sie für dich erwählt | |
|  |  | | Alternativmelodie: GL 144 | |
|  | GL 542, 1+5 | | Ihr Freunde Gottes | |
|  |  | |  | |
| Kyrie: | GL 134 | | Herr, erbarme dich unser | |
|  |  | |  | |
| Gloria: | GL 172 | | Gott in der Höh | |
|  |  | |  | |
| Antwortgesang: | Ps 103,1-4.8-9.13-14.17 | |  | |
|  | Kehrvers: GL 57, 1 | | Meine Seele preise den Herrn | |
|  | Psalmlied: GL 392, 1+4+5 | | Lobe den Herren | |
|  |  | |  | |
| Halleluja: | GL 174, 6 | |  | |
|  | Vers: | |  | |
|  | *Sei gepriesen, Vater, Herr des Himmels und der Erde;* | | | |
|  | *du hast die Geheimnisse des Reiches den Unmündigen offenbart.* | | | |
|  |  | |  | |
| Gabenbereitung: | GL 369, 1+2 | | O Herz des Königs aller Welt | |
|  | GL 364, 1+5 | | Schönster, Herr Jesu | |
|  |  | |  | |
| Sanctus: | GL 200 | | Heilig | |
|  |  | |  | |
| Agnus Dei: | GL 331, 1-3 | | Ist das der Leib | |
|  |  | |  | |
| Danksagung: | GL 213, 1-3! | | O heil’ge Seelenspeise | |
|  | GL 456, 1+4 | | Herr, du bist mein Leben | |
|  | GL 377, 1+2 | | O Jesu, all mein Leben bist du | |
|  | GL 755, 1-3 | | Halleluja! Auferstanden | |
|  |  | |  | |
| Schluss: | GL 777, 1+4 | | Kommt, lasst uns aus der Seele Grund | |

*.*